

क्र.सं.	दिनांक आदेश या समर्थवादी	आज्ञा विस्तृत रूप से
	<p>5/7</p> <p>9/6/13</p> <p>U.T. for Deal No. - 1</p> <p><i>[Signature]</i> दिनांक 23/6/23 9/6/23</p> <p>23/6/13</p>	<p>पत्रावली पेश की। पी0ओ0 का 24 अन्वय राज्य कार्य में व्यस्त है। अतः पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 2/6/13 को पेश की।</p> <p>पत्रावली पेश की। पी0ओ0 सहव अन्वय राज्य कार्य में व्यस्त है। अतः पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 23/6/23 को पेश की।</p>
		<p>पत्रावली पेश की। वादी मज अधिकारता अनुपस्थित। वादी व वादी अधिकारता के शाक 5:00 के तुरंत बाद-वार अवाज लगाया गया। वार-वार अवाज लगावने के उपरांत भी वादी मज अधिकारता अनुपस्थित रहा।</p> <p>पत्रावली का अदलौकन विपु अप्रा। पत्रावली वादी दापरी दिनांक 25.10.13 के अंत में आप दिनांक तल को तलकी प्रविष्टा 03/11/13 है। विपु/लिकत है। अतः वादी को पूर्व में दिनांक 17.11.16, 20.04.17, 22.6.17, 20.09.17, 07.6.18, 12.12.19 18.12.19 दिनांक जता रहा है। अतः उपरांत भी आदेश को पत्रावली पालना अज्ञान नही को गर्व है। एवं आज</p>

विवरण

